12.56 hrs.

Title: Regarding non procurement of wheat at minimum support price.

श्री रामजी लाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, इस साल सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य 620 रुपए प्रति क्विंटल घोाित किया है। एक अप्रेल से कहा गया कि खरीद केन्द्र प्रारम्भ हो जाएंगे। जहां तक मेरी जानकारी है, उसके मुताबिक दस अप्रेल तक भी उत्तर प्रदेश में कोई खरीद केन्द्र नहीं खुला। अगर खरीद केन्द्र खोले भी गए, तो वहां पर पर्याप्त सुविधा नहीं थी। न बोरियां थीं और न कांटा था। कुल मिलाकर किसान का गेहूं खरीदने के लिए कोई बंदोबस्त नहीं था। जो गेहूं के व्यापारी हैं, ये लोग किसान का गेहूं खरीदने का काम करते हैं, इनकी मिलीभगत है। जब किसान अपना गेहूं बेचने जाता है तो उसको नहीं खरीदा जाता है। ये लोग गांव में जाकर वहां से 500-550 रुपए प्रति क्विंटल में गेहूं खरीद लेते हैं। उसके बाद ये व्यापारी खरीद केन्द्रों में उसे ले जाते हैं। यह बहुत गम्भीर मामला है। किसानों की खुली लूट हो रही है। घोाित समर्थन मूल्य 620 रुपए प्रति क्विंटल की जगह किसान को केवल 500 रुपए या 550 रुपए ही मिल पा रहे हैं। इससे किसानों को नुकसान हो रहा है। जानबूझकर किसानों को परेशान करने का काम किया जा रहा है और सरकार इस मामले में चुप बैठी है।

अध्यक्ष महोदय, मैंने जब आपको इस सम्बन्ध में नोटिस दिया था, उसी समय खाद्य मंत्री जी को भी नोटिस दिया था कि वे सदन में उपस्थित रहें। खरीद केन्द्रों में गेहूं के व्यापारी किसानों का शोाण कर रहे हैं और उन्हें परेशान कर रहे हैं। मैं आपका संरक्षण चाहता हूं और मांग करता हूं कि तत्काल खाद्य मंत्री जी इस सवाल पर अपना वक्तव्य दें, और यह बताया जाए कि खरीद के मामले में किसानों का शोाण कैसे रोका जाए, इस बारे में सरकार क्या सार्थक कार्यवाही कर रही है।

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : अध्यक्ष महोदय, पहले तो किसान के गेहूं की जो कीमत 620 रुपए प्रति क्विंटल रखी गई है, वह पर्याप्त नहीं है। पिछले वर्ा गेहूं का समर्थन मूल्य 610 रुपए प्रति क्विंटल था। उसके अनुपात में खाद, बिजली और पानी के दाम काफी बढ़ गए हैं और इस साल सरकार ने गेहूं की कीमत में सिर्फ दस रुपए प्रति क्विंटल का इजाफा किया है, जो नाकाफी है। जैसा अभी श्री रामजी लाल सुमन ने बताया कि 500 रुपए या 550 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किसान गेहूं बेचने को मजबूर है। मैं कहना चाहता हूं कि कई जगह तो केवल 450 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से किसान अपना गेहूं बेचने को मजबूर है। यह भी स्थिति है कि खरीद केन्द्रों पर बोरे नहीं हैं। जब किसान वहां जाता है, तब खाद्य निगम के अधिकारी उसे भगा देते हैं। मैं इससे सहमत हूं कि वहां के व्यापारी खाद्य निगम के अधिकारियों से मिलकर पूरा का पूरा गेहूं खरीद रहे हैं।

13.00 hrs.

हमारा एक सुझाव तो यह है कि अगर सरकार चाहती है कि किसान किसी तरह से मजबूत हो तो सरकार को बाकायदा क्षतिपूर्ति करनी पड़ेगी। हमारे देश के वित्त मंत्री जी यहां बैठे हैं, मैं कहना चाहता हूं कि चाहे जितनी विदेशी कंपनियां आ जाएं, जितना कर लीजिए लेकिन किसान की खुशहाली के बिना देश खुशहाल नहीं हो सकता। विदेशी कंपनियां, विश्व बैंक या अन्तर्राट्रीय मुद्रा कोा का या विदेशी कर्जे का कोई मुकाबला कर सकता है तो वह किसान करेगा और किसान आर्थिक दृटि से जितना कमजोर होगा, उतना ही देश कमजोर होगा। कितना दुर्भाग्य है कि कृाि प्रधान देश हिन्दुस्तान का किसान गरीबी के कारण आत्महत्या कर रहा है। देश में किसान कई प्रान्तों में आत्महत्या कर रहा है। आप यह मत कहिए कि केवल आन्ध्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार या महाराट्र में आत्महत्या की घटनाएं हुई हैं, हिन्दुस्तान का कोई ऐसा प्रदेश नहीं है जहां किसानों ने आत्महत्या नहीं की हो। किसानों का अपमान हो रहा है, सरकारी वसूली हो रही है और उधर किसानों को गन्ने का बकाया भुगतान नहीं हो रहा है। लेकिन अगर किसान पर बकाया है और वह नही दे पाता है तो वह आज हवालात में बंद है और किसानों के साथ सख्ती की जा रही है, बिजली और पानी की वसूली के लिए भी किसान पर सख्ती की जा रही है। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि खाद्य मंत्री जी इस पर गंभीरता पूर्वक ध्यान दें क्योंकि यह महत्वपूर्ण मामला है। 15 दिन के बाद किसान के घर में गेहूं नहीं रहने वाला है चाहे उसे 450 रु. या 550 रुपये में बेच कर घाटा उठाना पड़े।â€¦ (व्यवधान) क्योंकि गरीबी के कारण उसे घाटे में बेचना पड़ता है। â€¦ (व्यवधान) इसलिए उसे क्षतिपूर्ति दीजिए और किसान को क्षतिपूर्ति देनी पड़ेगी और दी है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : छत्रपाल जी, आपने इस विाय पर नोटिस नहीं दिया है।

â€¦ (व्यवधान)

श्री छत्रपाल सिंह (बुलन्दशहर) : अध्यक्ष जी, मैंने इसी विाय पर नोटिस दिया है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : छत्रपाल जी, आप बोलिए। आपका नोटिस इसी विाय पर है।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : छत्रपाल जी, आप बोलिए।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : उनका नोटिस है, इसीलिए मैंने उन्हें परमिशन दी है।

â€¦ (व्यवधान)

श्री छत्रपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में किसानों का गेहूं गली-गली मारा फिर रहा है।â€¦ (व्यवधान)

श्रीमती कान्ति सिंह (बिक्रमगंज) : अध्यक्ष जी, मैं भी इसी विाय में एसोशिएट करती हूं।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You can also associate.

श्री छत्रपाल सिंह : पिछले 6 महीने की मेहनत के बाद गेहूं आया है और अच्छी फसल हुई लेकिन आज खरीद के लिए कोई नहीं है। खरीद के लिए विशेा तौर से â€¦ (व्यवधान) उत्तर प्रदेश में एजेंसी गेहूं खरीदना चाहती है लेकिन एफसीआई के गोदामों में गेहूं नहीं लिया जाता क्योंकि एफसीआई के गोदामों में खुला भ्रटाचार होता है।â€¦ (व्यवधान) जब भी किसी एजेंसी का खरीदा हुआ गेहूं एफसीआई के गोदामों में पुहंचता है, वहां के अधिकारी या वहां के लेबर के लोग 300 या 400 रुपये प्रति ट्रक उनसे मांगते हैं। यह बात मैंने खाद्य मंत्री से भी कही लेकिन एफसीआई में खुले भ्रटाचार के नाते दूसरी एजेंसियां गेहूं खऱीदने में अपने को असमर्थ पा रही हैं। सही मायनों में एफसीआई के गोदामों में भ्रटाचार हो रहा है। उसके कारण एजेंसियों को पेमेंट भी नहीं हो रहा है और वे गेहूं भी नहीं खरीद पा रही हैं। इसलिए खाद्य मंत्री जी को विशेा तौर पर इस पर ध्यान देना चाहिए और गेहूं खरीदा जाना चाहिए। दूसरा सवाल है कि वहां 'नैफेड' को सरसों खरीदने के लिए पैसा नहीं दिया जा रहा है। 'नैफेड' सरसों खरीदना चाहती है लेकिन वित्त विभाग ने 'नैफेड' को सरसों खरीदने के लिए पैसा नहीं दिया।â€¦ (व्यवधान) यहां वित्त मंत्री जी बैठे हैं। मैं चाहूंगा कि वित्त मंत्री जी 'नैफेड' को जल्दी से जल्दी पैसा दिला दें।â€¦ (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन): चुपचाप नहीं सुनेंगे तो क्या चिल्लाकर सुनेंगे?â€¦ (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, I associate myself with what has been said by Shri Mulayam Singh Yadav and Shri Ramji Lal Suman. Sir, I believe it is a matter of extreme importance and urgency. The Government should immediately respond and take appropriate action.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, Shri Ramji Lal Suman and others from both the sides have raised a very important issue. I will communicate it to the Minister of Food.

अध्यक्ष महोदय : रामदास जी, आप बोलिए।

â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, किसान मर रहा है।â€¦ (व्यवधान) किसान के पास तराजू नहीं हैâ€¦ (व्यवधान) देश के हर हिस्से में किसान की यही दशा है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रामदास जी, आप बोलिए। आपका विाय भी महत्वपूर्ण है।

â€¦ (व्यवधान)